RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION, AJMER

SYLLABUS OF COMPETITIVE EXAMINATION FOR THE POST OF LECTURER (SCHOOL EDUCATION)

MUSIC

PAPER – II

खण्ड– प्रथम (उच्च माध्यमिक स्तर)

- **पारिभाषिक शब्दावलीः** नाद (जाति एवं गुण), श्रुति, स्वर, सप्तक, ग्राम, मूर्छना, थाट, राग, राग लक्षण, राग जाति, ताल (ताल के दस प्राण), मात्रा, लय (प्रकार), तान (प्रकार), गमक (प्रकार), काकु, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, आविर्भाव, तिरोभाव, अल्पत्व–बहुत्व, स्वस्थान, निबद्ध–अनिबद्ध गान, गीत, गान्धर्व, गान, मार्गी–देशी संगीत, आतोद्य, कुतप, हारमनी, मेलोडी, कॉर्ड, गत (प्रकार– रजाखानी, मसीतखानी), वर्ण, अलंकार, आलाप, कण, मींड, खटका, मुरकी, आंदोलन, सूत, घसीट, झाला (कत्तर, ठोंक), जोड़–आलाप, कृन्तन, जमजमा, उठान, पेशकार, कायदा, रेला, मुखड़ा, मोहरा, लग्गी, लड़ी, गत, परन, तिहाई, नृत्त, नृत्य, नाट्य, अभिनय, तांडव, लास्य।
- **भारतीय संगीत के मूलभूत सिद्धांतः** भातखंडे संगीत पद्धति के प्रमुख नियम, राग समय सिद्धांत, स्वर एवं छंद रचना, ध्वनि शास्त्र सम्बन्धी सिद्धांत, स्वर अंतराल, उपस्वर, स्वर संघात, स्वर सप्तक की चक्रिक एवं संक्रमिक प्रक्रिया, वीणा पर सारणा प्रक्रिया, वीणा के तार पर स्वर स्थापना, कला, सौन्दर्य एवं रस सिद्धांत, गीति–वाणी, कटपयादि एवं 12 चक्रों का अध्ययन। मानव कंठ तथा कान की बनावट।
- **वाद्य अध्ययनः** वीणा, सितार, तानपुरा, सरोद, सारंगी, वायलिन, दिलरुबा, गिटार, बांसुरी, तबला, पखावज वाद्यों का उद्‌गगम, विकास, वर्तमान स्वरुप तथा प्रमुख कलाकार।
  वाद्य संगीत में बनावट, तकनीक एवं प्रस्तुतिकरण के स्तर पर किये गए अभिनव प्रयोगों का अध्ययन। वाद्य वर्गीकरण, वाद्य–वृन्द।
- **शास्त्रीय नृत्य एवं लोक संगीत :** भारत की प्रमुख शास्त्रीय नृत्य शैलियाँ– कथक, भरतनाट्यम, कथकली, ओडिसी, मणिपुरी, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, सत्रिया ।
  नाट्यशास्त्र में वर्णित नृत्य के मूलभूत तत्त्व ।
  राजस्थानी लोक संगीत का गायन–वादन एवं नृत्य पक्ष । संगीताश्रित जातियां एवं समुदायों की जानकारी ।
- राग – दस ठाट के आश्रय रागों का अध्ययन। देस, देसकार, बागेश्री, मालकोंस, वृन्दावनी सारंग, बिहाग, भूपाली ।
  ताल– दादरा, रूपक, तीव्रा, कहरवा, एकताल, चौताल, दीपचंदी, झूमरा, धमार, त्रिताल, तिलवाड़ा, पंजाबी ।

खंड–द्वितीय (स्नातक स्तर)

- भारतीय संगीत का ऐतिहासिक अध्ययनः संगीत की उत्पत्ति, विकास, वैदिक कालीन संगीत का अध्ययन। प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल में भारतीय संगीत का इतिहास, जाति गायन, ध्रुवा गायन, प्रबंध, रागालाप, रुपकालाप, आलप्ति, गीति–वानी। संगीत रत्नाकर में वर्णित वाग्गेयकार लक्षण, गायक तथा वादकों के गुण–दोष, गायकों के भेद। राग वर्गीकरण का ऐतिहासिक अध्ययन। राग ध्यान तथा राग चित्र ।
- **संगीत पद्यतियों का तुलनात्मक अध्ययनः** भारतीय, पाश्चात्य तथा कर्नाटक संगीत के स्वर सप्तक, स्वर तथा ताल व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन। हिन्दुस्तानी तथा पाश्चात्य स्वरों की आन्दोलन संख्या तथा सेंट एवं सेवर्ट पद्यति से सप्तक विभाजन। भारतीय तथा पाश्चात्य स्वरलिपि के विकास का एतिहासिक अध्ययन ।

- **गीत शैलियाँ :** हिन्दुस्तानी संगीत की प्रमुख शैलियाँ– ध्रुपद, धमार, ख्याल, टप्पा, चतुरंग, त्रिवट, रागमालिका, सरगम गीत, लक्षण गीत, ठुमरी, दादरा, चैती, कजरी, गजल । वृन्दगान ।
  कर्नाटक संगीत की प्रमुख शैलियाँ– कृति, पदम्, वर्णम, जावली, तिल्लाना, रागतालमालिका।
- **भारतीय संगीत में संस्थागत शिक्षाः** वैदिक काल से वर्तमान तक संगीत शिक्षा का स्वरुप। संगीत में गायन, तंत्री वाद्य तथा अवनद्ध वाद्यों के प्रमुख घराने।
- **संगीतज्ञों का जीवन वृत्त और योगदान–** कर्नाटक संगीत की त्रिमूर्ति, तानसेन, मीराबाई, महाराणा कुम्भा, राजा चक्रधरसिंह, बालकृष्णबुआ इचलकरंजीकर, विष्णु नारायण भातखण्डे, विष्णु दिगंबर पलुस्कर, अल्लादिया खां, फैयाज खान, बडे गुलामअली खान, अब्दुल करीम खान, कुमार गंधर्व, ओमकारनाथ ठाकुर, मल्लिकार्जुन मंसूर, भीमसेन जोशी, जसराज, किशोरी अमोनकर, गिरिजा देवी, अमीर खां, विनायकराव पटवर्धन, अलाउद्दीन खां, अलीअकबर खां, निखिल बनर्जी, विलायत खां, बिस्मिल्लाह खां, रवि शंकर, राम नारायण, अब्दुल हलीम जाफर खां, पन्नालाल घोष, शिव कुमार शर्मा, हरिप्रसाद चौरसिया, असद अली खां, कुदऊ सिंह, कण्ठे महाराज, अनोखेलाल मिश्र, किशन महाराज, सामता प्रसाद, भैया गणपतराव, बिंदादिन महाराज, बिरजू महाराज, आचार्य कैलाश चन्द्रदेव बृहस्पति, लालमणि मिश्र ।
- **राग–** शुद्ध कल्याण, शुद्ध सारंग, केदार, कामोद, हमीर, छायानट, हिंडोल, अल्हैया–बिलावल, दुर्गा, शंकरा, देसी, कालिंगडा, जोगिया, विभास, गुणक्री, जैजैवंती, तिलककामोद, रागेश्री, जोग, जोगकौंस, मियां मल्हार, बहार, जौनपुरी, दरबारी, अडाना, पूरिया, सोहनी, पूरियाधनाश्री, बसंत, परज, श्री, मुल्तानी, सालगवराली, मधुवंती, हंसध्वनि, कलावती, किरवानी, चारुकेशी, आभोगी, सरस्वती।
  ताल– रूद्र, मणि, गजझम्पा, शिखर, मत्त, लक्ष्मी, ब्रह्म।

खंड–तृतीय (स्नातकोत्तर)

- संगीत के विकास में राष्ट्रीय स्तर की राजकीय संस्थायें, संगीत समारोह, पुरस्कार, शासकीय योजनायें, छात्रवृत्तियां ।
- **संगीत ग्रन्थः** नाट्यशास्त्र, नारदीयशिक्षा, दत्तिलम, बृहद्देशी, संगीत मकरंद, भरतभाष्यम, संगीत रत्नाकर, राग तरंगिणी, स्वरमेल कलानिधि, सद्राग चंद्रोदय, राग मंजरी, राग विबोध, संगीत दर्पण, चतुर्दंडीप्रकाशिका, संगीत पारिजात ।
- प्रमुख रागांग एवं रागों का अध्ययन :

अंग	राग	अंग	राग
कान्हड़ा	नायकी, कौंसी	तोड़ी	गुर्जरी, बिलासखानी
सारंग	मधुमाद, मियां की सारंग	बिलावल	देवगिरी, यमनी
बिहाग	बिहागडा, मारू बिहाग	खमाज	झिंझोटी, तिलंग
कल्याण	पूरियाकल्याण, श्याम कल्याण	कौंस	चंद्रकौंस, मधुकौंस
मल्हार	गौड़मल्हार, मेघ मल्हार	भैरव	बैरागी, अहीर भैरव
धनाश्री	पटदीप, भीमपलासी	नट	नट भैरव, नट बिहाग

खंड– चतुर्थ (शिक्षण–शास्त्र, शिक्षण– अधिगम सामग्री, शिक्षण–अधिगम में संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग)

➢ शिक्षण शास्त्र एवं शिक्षण अधिगम सामग्री (किशोर अधिगमकर्त्ता हेतु अनुदेशनात्मक रणनीतियाँ)

- संप्रेषण कौशल एवं विविध शाब्दिक एवं अशाब्दिक कक्षा–कक्ष संप्रेषण रणनीतियों का प्रयोग/उपयोग
- शिक्षण प्रतिमान– अग्रिम संगठक प्रतिमान एवं पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सूचना प्रसंस्करण), सामूहिक अन्वेषण (सामाजिक अंतः क्रिया) गैर निर्देशात्मक प्रतिमान (व्यक्तिगत विकास)

- शिक्षण के दौरान शिक्षण–अधिगम सामग्री का निर्माण एवं प्रयोग
- सहकारी अधिगम

➢ **शिक्षण अधिगम में संगणक एवं सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग**

- आई.सी. टी. (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी) का संप्रत्यय एवं डिजिटल अधिगम
- ई– अधिगम एवं वर्चुअल (आभासी) कक्षा–कक्ष
- शिक्षण–अधिगम एवं आकलन में प्रौद्योगिकी का एकीकरण

*****

For the competitive examination for the post of **School Lecturer: -**
The question paper will carry maximum **300 marks**.

1. Duration of question paper will be **Three Hours**.
2. The question paper will carry **150 questions** of multiple choices.
3. Negative marking shall be applicable in the evaluation of answers. For every wrong answer one third of the marks prescribed for that particular question shall be deducted.
4. Paper shall include following subjects: -
   (i) Knowledge of Subject Concerned: Senior Secondary Level
   (ii) Knowledge of Subject Concerned: Graduation Level.
   (iii) Knowledge of Subject Concerned: Post Graduation Level.
   (iv) Pedagogy, Teaching Learning Material, Use of Computers and Information Technology in Teaching Learning.

*****